

## पाठ - 6 लोकतांत्रिक अधिकार

प्रश्न 1: पुराने युगोस्लाविया का वह कौन - सा एक प्रान्त था जो अब टूटकर अलग हो गया है ?

उत्तर : कोसोवो |

प्रश्न 2: कोसोवो में किन लोगो की संख्या अधिक थी ?

उत्तर : अल्बानियाई लोगो की |

प्रश्न 3: अधिकार क्या है ?

उत्तर : अधिकार किसी व्यक्ति का अपने लोगो ,अपने समाज और अपनी सरकार से दावा है।

प्रश्न 4: मौलिक अधिकार किसे कहते है ?

उत्तर : हमारे जीवन के लिए बुनियादी रूप से जरूरी अधिकारों को विशेष दर्जा दिया जाता है ,इसे मौलिक अधिकार कहते है |

प्रश्न 5: भारत के संविधान की एक महत्वपूर्ण बुनियादी विशेष क्या है ?

उत्तर : मौलिक अधिकार |

प्रश्न 6: हमारा सविधान कितने मौलिक अधिकार प्रदान करता है ?

उत्तर : हमारा सविधान छः मौलिक अधिकार प्रदान करता है :-

- (1) समानता का अधिकार |
- (2) स्वतंत्रता का अधिकार |
- (3) शोषण के विरुद्ध अधिकार |
- (4) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार |
- (5) सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकार |
- (6) संवैधानिक उपचार का अधिकार |

प्रश्न 7: कानून का राज किसे कहते है ?

उत्तर : किसी व्यक्ति का दर्जा या पद , चाहे जो हो सब पर कानून समान रूप से लागू होता है | इसे कानून का राज कहते है |

**प्रश्न 8: समानता का अधिकार का क्या मतलब है ?**

**उत्तर :** समानता का मतलब है हर किसी से उसकी जरूरी का ख्याल रखते हुए सामान व्यवहार करना | समानता का मतलब है हर आदमी को उसकी क्षमता के अनुसार काम करने का समान अवसर उपलब्ध हो |

**प्रश्न 9: सविधान ने छुआछूत को दंडनीय अपराध घोषित किया है क्यों ?**

**उत्तर :** यहाँ छुआछूत का मतलब कुछ खास जातियों के लोगो के शरीर को छूने से बचना भर नहीं है | यह उन सारे सामाजिक मान्यताओ और आचरणो को भी गलत करार देता है | जिसमे किसी विशेष जाति में जन्म लेने भर से लोगो को नीची नजर से देखा जाता है अथवा उनके साथ अलग तरह का व्यवहार किया जाता है | इसलिए सविधान ने छुआछूत को दंडनीय अपराध घोषित किया है |

**प्रश्न 10: भारतीय सविधान ने प्रत्येक नागरिक को किस तरह की स्वतंत्रता दी है ?**

**उत्तर :** भारतीय सविधान ने प्रत्येक नागरिक को कई तरह की स्वतंत्रता दी है :-

- (1) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता |
- (2) संगठन और संघ बनाने की स्वतंत्रता |
- (3) शांतिपूर्ण ढंग से जमा होने की स्वतंत्रता |
- (4) देश में कहीं भी आने - जाने की स्वतंत्रता |
- (5) देश के किसी भी भाग में रहने - बसने की स्वतंत्रता |
- (6) कोई भी काम करने , धंधा चुनने अथवा पेशा करने की स्वतंत्रता |

**प्रश्न 11: हमारे लोकतन्त्र की एक बुनियादी विशेषता लिखो ?**

**उत्तर :** अभिव्यक्ति की आजादी |

**प्रश्न 12: अभिव्यक्ति की आजादी में क्या - क्या शामिल है ?**

**उत्तर :** अभिव्यक्ति की आजादी में बोलना , लिखना और कला के विभिन्न रूपो को व्यक्त करना शामिल है |

**प्रश्न 13: कानूनी आधार होने पर सरकार या पुलिस अधिकारी किसी नागरिक को गिरफ्तार कर सकता है | इसके लिए उन्हें किन नियमो का पालन करना पड़ता है ?**

**उत्तर :** कानूनी आधार होने पर सरकार या पुलिस अधिकारी किसी नागरिक को गिरफ्तार कर सकता है | इसके लिए उन्हें कुछ नियमो का पालन करना पड़ता है -

- (1) गिरफ्तार या हिरासत से लिए गए व्यक्ति को उसकी गिरफ्तारी और हिरासत में लेने के कारणों की जानकारी |

(2) गिरफ्तारी या हिरासत से लिए गए व्यक्ति को सबसे निकट के मजिस्ट्रेट के सामने गिरफ्तारी के 24 घंटे के अन्दर प्रस्तुत करना होता है।

(3) ऐसे व्यक्ति को वकील से विचार - विमर्श करने और अपने बचाव के लिए वकील रखने का अधिकार होता है।

**प्रश्न 14:** सविधान ने खास तौर पर जिस तीन बुराईयों का जिक्र किया है और जिन्हें गैर - कानूनी घोषित किया है। बताइए ?

**उत्तर :** (1) पहला , सविधान मनुष्य जाति के अवैध व्यक्ति का निषेध करता है। आम तौर पर ऐसे धंधे का शिकार महिलाएं होती हैं। जिनका अनैतिक कामों के लिए शोषण होता है।

(2) दूसरा , हमारा सविधान किसी किस्म के 'बेगार' या जबरन काम लेने का निषेध करता है। बेगार प्रथा में मजदूरों को अपने मालिक के लिए मुक्त या बहुत थोड़े से अनाज व गैरह के लिए जबरन काम करना पड़ता है। जब यही काम मजदूर को जीवन भर करना पड़ता है तो उसे बन्धूआ मजदूर कहते हैं।

(3) तीसरा , सविधान बाल मजदूरी का भी निषेध करता है। किसी कारखाने - खदान या रेलवे और बंदरगाह जैसे खतरनाक काम में कोई भी 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चे से काम नहीं करा सकता।

**प्रश्न 15:** एक धर्मनिरपेक्ष देश का नाम बताओ ?

**उत्तर :** भारत।

**प्रश्न 16:** धर्मनिरपेक्ष शासन क्या है ?

**उत्तर :** धर्मनिरपेक्ष शासन वह है जहाँ किसी भी धर्म को अधिकारिक धर्म मान्यता नहीं होती।

**प्रश्न 17:** किस प्रकार सरकार किसी धर्म या धार्मिक संस्था को बढ़ावा देने या उसके रख - रखाव के लिए कर देने के लिए किसी व्यक्ति को मजबूर नहीं कर सकता।

**उत्तर :** धर्मनिरपेक्ष शासन का मतलब किसी एक धर्म का पक्ष लेना या उसे विशेषाधिकार देना भी नहीं है। न ही ऐसा शासन किसी व्यक्ति को उसकी धार्मिक मान्यताओं के कारण सजा दे सकता है या उसके साथ भेदभाव कर सकता है। इसी प्रकार सरकार किसी धर्म या धार्मिक संस्था को बढ़ावा देने या उसके रख - रखाव के लिए कर देने के लिए किसी व्यक्ति को मजबूर नहीं कर सकता।

**प्रश्न 18:** अल्पसंख्यक को अपने किन हितों की संरक्षण की जरूरत होती है ?

**उत्तर :** भाषा , संस्कृति और धर्म के विशेष संरक्षण की।

**प्रश्न 19:** हमारे देश की न्यायपालिका किससे स्वतंत्र रखा गया है ?

**उत्तर :** सरकार और संसद से।

**प्रश्न 20:** एक महत्वपूर्ण संवैधानिक अधिकार लिखो ?

**उत्तर :** चुनाव में वोट देने का अधिकार |

**प्रश्न 21:** संविधान अल्पसंख्यको किन - किन अधिकारों को स्पष्ट करता है ?

**उत्तर :** संविधान अल्पसंख्यको के सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकारों को स्पष्ट करता है |

**प्रश्न 22:** संवैधानिक उपचार का अधिकार किसे कहते हैं ?

**उत्तर :** हमें उपर्युक्त अधिकारों को लागू करने की मांग करने का अधिकार है , हमारे पास उन्हें लागू कराने के उपाय हैं | इसे संवैधानिक उपचार का अधिकार कहते हैं |

**प्रश्न 23:** दक्षिण अफ्रीका के संविधान में नागरिक को कौन - कौन से नए अधिकार मिले हैं ?

**उत्तर :** दक्षिण अफ्रीका के संविधान में नागरिक को कई तरह के नए अधिकार मिले हैं :-

(1) निजता का अधिकार :- इसके अनुसार नागरिक और घरों की तलाशी नहीं की जा सकती , उनके फोन टैप नहीं किए जा सकते , उनकी चिट्ठी - पत्री को खोल कर नहीं पढ़ा जा सकता है |

(2) पर्याप्त आवास पाने का अधिकार :-

**(3) पर्यावरण का अधिकार :-** ऐसा पर्यावरण पाने का अधिकार जो नागरिकों के स्वास्थ्य या कुशलक्षेम के प्रतिकूल न हो |

(4) स्वास्थ्य सेवाओं , पर्याप्त भोजन और पानी तक पहुँच अधिकार :- किसी को भी आपात चिकित्सा देने से इन्कार नहीं किया जा सकता |

**प्रश्न 24:** किस कारण डा . अंबेडकर ने संवैधानिक उपचार के अधिकार को हमारे संविधान की "आत्मा" और "हृदय" कहा था ?

**उत्तर :** संवैधानिक उपचार का अधिकार अन्य अधिकारों को प्रभावी बनाता है | संभव है की कई बार हमारे अधिकारों का उल्लंघन कोई और नागरिक या कोई संस्था या फिर स्वयं सरकार ही कर रही हो | पर जब इनमें से हमारे किसी भी अधिकार का उल्लंघन हो रहा हो तो हम अदालत के जाँरिए उसे रोक सकते हैं , इस समस्या का निदान पा सकते हैं | अगर मौलिक अधिकारों का मामला हो तो हम सीधे सर्वोच्च न्यायालय या किसी राज्य के उच्च न्यायालय में जा सकते हैं | इसी कारण डा . अंबेडकर ने संवैधानिक उपचार के अधिकार को हमारे संविधान की "आत्मा" और "हृदय" कहा था |